हिंदी पखवाड़ा–2023

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 19-09-2023**

शिक्षा

हकेंवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर केंद्रित दस दिवसीय प्रदर्शनी की हुई शुरुआत

बालमुकुंद गुप्त बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी रचनाओं पर केंद्रित दस दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित मनोज द्वारा तैयार रचना पोस्टर प्रदर्शनी का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया।

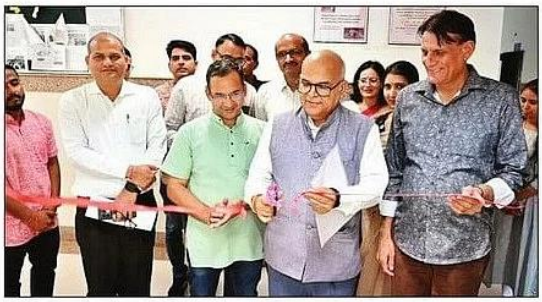

प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

कुलपति ने इस अवसर पर हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में लगाई रचना पोस्टर प्रदर्शनी में बालमुकुंद गुप्त द्वारा रचित रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इनमें उनके द्वारा आजादी की लड़ाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विचारों पर आधारित रचनाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि यह प्रदर्शनी अवश्य ही विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के बड़े रचनाकार बालमुकुंद गुप्त को करीब से जानने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने इस आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति व डॉ. अमित मनोज व उनके सहयोगियों की सराहना की। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न आयोजनों का शुभारंभ हो गया है और आगामी 27 सितंबर तक विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्य प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. देवेंद्र राजपूत, हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय शिक्षक डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. रीना स्वामी, डॉ. अजयपाल, डॉ. सुमन रानी, डॉ. नवीन सहित विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 19-09-2023**

'बालमुकुंद गुप्त बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा'

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ में बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी रचनाओं पर केंद्रित दस दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित मनोज के द्वारा तैयार 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया। कुलपति ने इस अवसर पर हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि यह प्रदर्शनी अवश्य ही विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के बड़े रचनाकार बालमुकुंद गुप्त को करीब से जानने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने इस आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति व डॉ. अमित मनोज व उनके सहयोगियों की जमकर प्रशंसा की। आयोजन के दौरान डॉ. अमित मनोज ने विस्तारपूर्वक विभिन्न रचनाओं और उनके अर्थ की व्याख्या कुलपति के समक्ष प्रस्तुत की। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न आयोजनों का शुभारंभ हो गया है और आगामी 27 सितंबर तक विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्य प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. देवेंद्र राजपूत, हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 19-09-2023**

बालमुकुंद गुप्त के बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा: प्रो. टंकेश्वर कुमार

-हकेवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं केंद्रित दस दिवसीय प्रदर्शनी की हुई शुरुआत

चेतना संवाददाता।
महेन्द्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी रचनाओं पर केंद्रित इस दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित मनोज के द्वारा तैयार 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया।

कुलपति ने इस अवसर पर हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में लगाई गई इस रचना पोस्टर प्रदर्शनी में बालमुकुंद गुप्त के द्वारा रचित रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इनमें उनके द्वारा आजादी की लड़ाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विचारों पर आधारित रचनाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि यह प्रदर्शनी अवश्य ही विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के बड़े रचनाकार बालमुकुंद गुप्त को करीब से जानने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने इस आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति व डॉ. अमित मनोज व उनके सहयोगियों की जमकर प्रशंसा की।

आयोजन के दौरान डॉ. अमित मनोज ने विस्तार पूर्वक विभिन्न रचनाओं और उनके अर्थ की व्याख्या कुलपति के समक्ष प्रस्तुत की। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न आयोजनों का शुभारंभ हो गया है और आगामी 27 सितंबर तक विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्य प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. देवेंद्र राजपूत, हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय शिक्षक डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. रीना स्वामी, डॉ. अजयपाल, डॉ. सुमन रानी, डॉ. नवीन सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 19-09-2023**

'बालमुकुंद गुप्त बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हकेंवि महेंद्रगढ़ में बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी रचनाओं पर केंद्रित इस दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डा. अमित मनोज के द्वारा तैयार 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया।

कुलपति ने इस अवसर पर हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे।

रचना पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

विवि के शैक्षणिक खंड चार में लगाई गई इस रचना पोस्टर प्रदर्शनी में बालमुकुंद गुप्त के द्वारा रचित रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इनमें उनके द्वारा आजादी की लड़ाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विचारों पर आधारित रचनाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह प्रदर्शनी अवश्य ही विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के बड़े रचनाकार बालमुकुंद गुप्त को करीब से जानने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने इस आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति व डा. अमित मनोज व उनके सहयोगियों की जमकर प्रशंसा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 19-09-2023**

बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर पोस्टर प्रदर्शनी लगाई

महेंद्रगढ़,18 सितंबर (हप्र)

बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) में उनकी रचनाओं पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी लगाई गई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयास से हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित मनोज द्वारा तैयार 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का सोमवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद किया और कहा कि उनके बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। कार्यक्रम में हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में लगाई रचना पोस्टर प्रदर्शनी में बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. देवेंद्र राजपूत, शैलेंद्र सिंह, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. रीना स्वामी, डॉ. अजयपाल, डॉ. सुमन रानी, डॉ. नवीन मौजूद थे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 19-09-2023**

बालमुकुंद गुप्त बिना हिन्दी साहित्य का अध्ययन अधूरा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी रचनाओं पर केंद्रीत दस दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिन्दी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित मनोज के द्वारा तैयार रचना पोस्टर प्रदर्शनी का सोमवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया। कुलपति ने इस अवसर पर हिन्दी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बिना हिन्दी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में लगाई गई इस रचना पोस्टर प्रदर्शनी में बालमुकुंद गुप्त के द्वारा रचित रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इनमें उनके द्वारा आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विचारों पर आधारित रचनाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 19-09-2023**

बालमुकुंद गुप्त बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा: प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्रो. सुरेंद्र सिंह।

महेंद्रगढ़, 18 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी रचनाओं पर केंद्रित इस दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी की शुरुआत हुई।

विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित मनोज के द्वारा तैयार 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया।

कुलपति ने इस अवसर पर हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में लगाई गई इस रचना पोस्टर प्रदर्शनी में बालमुकुंद गुप्त के द्वारा रचित रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इनमें उनके द्वारा आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विचारों पर आधारित रचनाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि यह प्रदर्शनी अवश्य ही विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के बड़े रचनाकार बालमुकुंद गुप्त को करीब से जानने का अवसर प्रदान करेगी।

विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम 27 को

उन्होंने इस आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति व डॉ. अमित मनोज व उनके सहयोगियों की जमकर प्रशंसा की। आयोजन के दौरान डॉ. अमित मनोज ने विस्तार पूर्वक विभिन्न रचनाओं और उनके अर्थ की व्याख्या कुलपति के समक्ष प्रस्तुत की।

हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न आयोजनों का शुभारंभ हो गया है और आगामी 27 सितंबर तक विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्य प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. देवेंद्र राजपूत, हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय शिक्षक डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. रीना स्वामी, डॉ. अजयपाल, डॉ. सुमन रानी, डॉ. नवीन सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 23-09-2023**

हिंदी के प्रसार के लिए होंगे कार्यक्रम

हकेंवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित, 27 को पुरस्कार वितरण समारोह

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में हिंदी पखवाड़ा 14 से 27 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम अवश्य ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय सहभागियों के लिए उपयोगी साबित होंगे। कुलपति ने विशेष रूप से इस आयोजन के अंतर्गत गोद लिए गांवों के स्कूली बच्चों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता व बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर आधारित डॉ. अमित मनोज की रचना पोस्टर प्रदर्शनी को जनजागरूकता की दिशा में महत्त्वपूर्ण बताया। वहीं संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति के द्वारा प्रस्तावित प्रश्नावली पर केंद्रित विशेषज्ञ कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के उपकुलसचिव (राजभाषा) आनंद सोनी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति की प्रश्नावली के आधार पर विभिन्न विभागों के संबंध में सूचनाओं और उनके प्रस्तुतिकरण पर प्रकाश डाला। कुलपति ने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला विभागों, अनुभागों व शाखाओं को इस प्रश्नावली के लिए आवश्यक आंकड़ों के संयोजन में सहयोगी साबित होगी। इससे पूर्व में मंगलवार को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें विभिन्न विभागों के 36 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। इसमें योग विभाग के डॉ. अजय पाल व शिक्षक शिक्षा विभाग के डॉ. शरण प्रसाद निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे।

विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

गोद लिए गांव में करवाई निबंध लेखन प्रतियोगिता

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों के स्कूली विद्यार्थियों के बच्चों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न राजकीय विद्यालयों के 58 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग की डॉ. कमलेश कुमारी तथा संस्कृत विभाग की डॉ. सुमन रानी निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहीं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा नारा लेखन, ओपन माइक, हिंदी टंकण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि आयोजन में विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आगामी 27 सितंबर को इस आयोजन का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 23-09-2023**

हकेंवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित, 27 सितंबर को होगा पुरस्कार वितरण समारोह

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़ा 14 से 27 सितंबर के बीच आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम अवश्य ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणोत्तर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय सहभागियों के लिए उपयोगी साबित होंगे। कुलपति ने विशेष रूप से इस आयोजन के अंतर्गत गोद लिए गांवों के स्कूली बच्चों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता व बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर आधारित डॉ. अमित मनोज की रचना पोस्टर प्रदर्शनी को जनजागरूकता की दिशा में महत्त्वपूर्ण बताया। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आगामी 27 सितंबर को इस आयोजन का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 23-09-2023**

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़ा 14 से 27 सितंबर के बीच आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम अवश्य ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय सहभागियों के लिए उपयोगी साबित होंगे। कुलपति ने विशेष रूप से इस आयोजन के अंतर्गत गोद लिए गांवों के स्कूली बच्चों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता व बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर आधारित डा. अमित मनोज की रचना पोस्टर प्रदर्शनी को जनजागरूकता की दिशा में महत्त्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत संसदीय राजाभाषा निरीक्षण समिति के द्वारा प्रस्तावित प्रश्नावली पर केंद्रित विशेषज्ञ कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के उपकुलसचिव (राजभाषा) श्री आनंद सोनी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति की प्रश्नावली के आधार पर विभिन्न विभागों के संबंध में सूचनाओं और उनके प्रस्तुतिकरण पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला विभागों, अनुभागों व शाखाओं को इस प्रश्नावली के लिए आवश्यक आंकड़ों के संयोजन में सहयोगी साबित होगी।

कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो .टंकेश्वर कुमार● सौ. वक्ता

इससे पूर्व में मंगलवार को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों के 36 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। इसमें योग विभाग के डा. अजय पाल व शिक्षक शिक्षा विभाग के डा. शरण प्रसाद निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। बुधवार को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों के स्कूली विद्यार्थियों के बच्चों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न राजकीय विद्यालयों के 58 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग की डा. कमलेश कुमारी तथा संस्कृत विभाग की डॉ. सुमन रानी निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहीं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा नारा लेखन, ओपन माइक, हिंदी टंकण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने बताया कि आयोजन में विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आगामी 27 सितंबर को इस आयोजन का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Ranghosh **Date: 23-09-2023**

हकेवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

-27 सितंबर को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा समापन

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़ा 14 से 27 सितंबर के बीच आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार को हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम अवश्य ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय सहभागियों के लिए उपयोगी साबित होंगे। कुलपति ने विशेष रूप से इस आयोजन के अंतर्गत गोद लिए गाँवों के स्कूली बच्चों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता व बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर आधारित डॉ. अमित मनोज की रचना पोस्टर प्रदर्शनी को जनजागरूकता की दिशा में महत्त्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत संसदीय राजाभाषा निरीक्षण समिति के द्वारा प्रस्तावित प्रश्नावली पर केंद्रित विशेषज्ञ कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के उपकुलसचिव (राजभाषा) श्री आनंद सोनी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति की प्रश्नावली के आधार पर विभिन्न विभागों के संबंध में सूचनाओं और उनके प्रस्तुतिकरण पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला विभागों, अनुभागों व शाखाओं को इस प्रश्नावली के लिए आवश्यक आंकड़ों के संयोजन में सहयोगी साबित होगी। इससे पूर्व में मंगलवार को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों के 36 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। इसमें योग विभाग के डॉ. अजय पाल व शिक्षक शिक्षा विभाग के डॉ. शरण प्रसाद निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। बुधवार को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँवों के स्कूली विद्यार्थियों के बच्चों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न राजकीय विद्यालयों के 58 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग की डॉ. कमलेश कुमारी तथा संस्कृत विभाग की डॉ. सुमन रानी निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहीं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा नारा लेखन, ओपन माइक, हिंदी टंकण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि आयोजन में विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आगामी 27 सितंबर को इस आयोजन का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 23-09-2023**

हकेंवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

27 सितंबर को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा समापन

महेंद्रगढ़, 22 सितंबर (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़ा 14 से 27 सिंतबर के बीच आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार को हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कहा कि राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम अवश्य ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय सहभागियों के लिए उपयोगी साबित होंगे। कुलपति ने विशेष रूप से इस आयोजन के अंतर्गत गोद लिए गाँवों के स्कूली बच्चों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता व बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर आधारित डॉ. अमित मनोज की रचना पोस्टर प्रदर्शनी को जनजागरूकता की दिशा में महत्त्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति के द्वारा प्रस्तावित प्रश्नावली पर केंद्रित विशेषज्ञ कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के उपकुलसचिव (राजभाषा) श्री आनंद सोनी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति की प्रश्नावली के आधार पर विभिन्न विभागों के संबंध में सूचनाओं और उनके प्रस्तुतिकरण पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला विभागों, अनुभागों व शाखाओं को इस प्रश्नावली के लिए आवश्यक आंकड़ों के संयोजन में सहयोगी साबित होगी। इससे पूर्व में मंगलवार को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों के 36 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। इसमें योग विभाग के डॉ. अजय पाल व शिक्षक शिक्षा विभाग के डॉ. शरण प्रसाद निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 23-09-2023**

हकेंवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 22 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़ा 14 से 27 सितम्बर के बीच आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार को हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम अवश्य ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय सहभागियों के लिए उपयोगी साबित होंगे।

कुलपति ने विशेष रूप से इस आयोजन के अंतर्गत गोद लिए गांवों के स्कूली बच्चों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता व बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर आधारित डॉ. अमित मनोज की रचना पोस्टर प्रदर्शनी को जनजागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति द्वारा प्रस्तावित प्रश्नावली पर केंद्रित विशेषज्ञ कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के उपकुलसचिव (राजभाषा) आनंद सोनी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति की प्रश्नावली के आधार पर विभिन्न विभागों के संबंध में सूचनाओं और उनके प्रस्तुतिकरण पर प्रकाश डाला। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि 27 सितम्बर को इस आयोजन का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 28-09-2023**

निज भाषा प्रेम से ही होगी देश की प्रगति : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हिंदी हमारी राजभाषा है और हमें इस पर अभिमान है। हिंदी भारत के स्वाभिमान की परिचायक है। आज समूचे विश्व में हिंदी भाषा को एक प्रमुख भाषा के रूप में पहचाना जा रहा है। निज भाषा के प्रति प्रेम का यही भाव विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी मातृभाषा में शिक्षा की बात करती है। यह प्रमाणित हो चुका है कि हम जिस भाषा में सोचते हैं, उस भाषा में अध्ययन, अध्यापन व शोध सदैव प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। विश्वविद्यालय में 14 से 27 सितंबर के बीच आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2023 के समापन की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए आयोजन में सम्मिलित गोद लिए गांवों के विद्यालयों के विद्यार्थियों व शिक्षकों, विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व विद्यार्थियों का विशेष रूप से इस आयोजन में सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के साथ कुलपति • सौ.हकेंवि प्रवक्ता

इनमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में छठीं से आठवीं कक्षा वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, धोली की प्रिया द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जाट का निशांत तृतीय पुरस्कार दिया गया। नौवीं से बारहवीं वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली का विनी प्रथम; व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली की रचना तृतीय स्थान पर रही। विवि के छात्रों व शोधार्थियों के आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में एमएड की प्रिया सैनी ने प्रथम, एमए हिंदी के सौरभ ने द्वितीय तथा पीएचडी हिंदी कर रितांजली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विवि के शिक्षकों के लिए आयोजित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में योग विभाग के सहायक आचार्य डा. अजय पाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रश्नोतरी व पत्र लेखन प्रतियोगिता में सहायक रामवीर गुर्जर ने प्रथम, निजी सचिव पवन कुमार ने द्वितीय तथा अवर श्रेणी लिपिक प्रीतम कुमार ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

हकेंवि में मनाया गया विश्व पर्यटन दिवस

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थी को विश्व पर्यटन दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पर्यटन से संबंधित उद्योग न केवल आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि यह समाज को सामाजिक दृष्टि से भी उठाने में सहारा प्रदान करते हैं। महेंद्रगढ़ में भी पर्यटन अपार संभावनाएं मौजूद है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 28-09-2023**

निज भाषा प्रेम से ही होगी प्रगति : टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को विजेता प्रतिभागी को पुरस्कृत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। -हप्र

महेंद्रगढ़, 27 सितंबर (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और हमें इस पर अभिमान है। हिंदी भारत के स्वाभिमान की परिचायक है। आज समूचे विश्व में हिंदी भाषा को एक प्रमुख भाषा के रूप में पहचाना जा रहा है। निज भाषा के प्रति प्रेम का यही भाव विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी मातृभाषा में शिक्षा की बात करती है। इसलिए हिंदी भाषा से प्रेम भारत के विकास में सहयोगी है। वे बुधवार को विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

विश्वविद्यालय में 14 से 27 सितंबर के बीच आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2023 के समापन की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात हिंदी पखवाडा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह, निर्णायक मंडल के सदस्य नंद किशोर, नवीन, अजयपाल सहित देवेंद्र राजपूत, अमित मनोज, अमित यादव, दिनेश चौहान, कुलदीप सिंह चौहान, अमित कुमार मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 28-09-2023**

हिंदी पखवाड़े का समापन

निज भाषा प्रेम से ही होगी प्रगति: प्रो. टंकेश्वर कुमार

प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति ने किया सम्मानित

विजेता प्रतिभागी को पुरस्कृत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 27 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हिंदी हमारी राजभाषा है और हमें इस पर अभिमान है। हिंदी भारत के स्वाभिमान की परिचायक है।

आज समूचे विश्व में हिंदी भाषा को एक प्रमुख भाषा के रूप में पहचाना जा रहा है। निज भाषा के प्रति प्रेम का यही भाव विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी मातृभाषा में शिक्षा की बात करती है।

यह प्रमाणित हो चुका है कि हम जिस भाषा में सोचते हैं, उस भाषा में अध्ययन, अध्यापन व शोध सदैव प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है, इसलिए हिंदी भाषा से प्रेम भारत के विकास में सहयोगी है।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय में 14 से 27 सितम्बर के बीच आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2023 के समापन की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

इसके पश्चात हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए आयोजन में सम्मिलित गोद लिए गांवों के विद्यालयों के विद्यार्थियों व शिक्षकों, विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व विद्यार्थियों का विशेष रूप से इस आयोजन में सहभागिता हेतु आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने उद्बोधन में रचनात्मकता को बढ़ाने, मौलिक अनुसंधान व भारत के विकास हेतु निज भाषा के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया और कहा कि आज के समय में तकनीक की मदद से अपनी ही भाषा में अध्ययन, अध्यापन व शोध सहज रूप से कर सकते हैं।

उन्होंने इस आयोजन की सफलता के लिए सभी आयोजकों व प्रतिभागियों का बधाई दी और कहा कि अवश्य ही इस कार्यक्रम के माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार को गति मिलेगी।

हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के समापन सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं व प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में कीर्ति व प्रिया सैनी प्रथम

इनमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में छठी से 8वीं कक्षा वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खुडाना की कीर्ति प्रथम, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धोली की प्रिया द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट का निशांत तृतीय पुरस्कार दिया गया।

9वीं से 12वीं वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली का विनी प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मालड़ा बांस की सोमवती द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली की रचना तृतीय स्थान पर रही।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में एम.एड. की प्रिया सैनी ने प्रथम, एम.ए. हिंदी के सौरभ ने द्वितीय तथा पीएच.डी. हिंदी कर रही रितांजली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए आयोजित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रश्नोत्तरी व पत्र लेखन प्रतियोगिता में सहायक रामवीर गुर्जर ने प्रथम, निजी सचिव पवन कुमार ने द्वितीय तथा अवर श्रेणी लिपिक प्रीतम कुमार ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 30-09-2023**

10 दिवसीय रचना पोस्टर प्रदर्शनी का समापन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग के तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के रचना-कर्म पर आधारित दस दिवसीय ह्यरचना पोस्टर प्रदर्शनीह्न का समापन दिनांक 27 सितंबर को सफलतापूर्वक हो गया। ज्ञातव्य है कि बालमुकुंद गुप्त पर केंद्रित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन बालमुकुन्द गुप्त की पुण्य तिथि (18 सितंबर) पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर द्वारा किया गया था। प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी पोस्टर हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर अमित मनोज द्वारा तैयार किए गए थे। इन पोस्टरों में बालमुकुंद गुप्त के जीवन एवं सृजन के साथ उनकी कविताओं, संपादकीयों, निबंधों, बाल-कविताओं एवं पत्रों आदि का कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण ढंग से चित्रण किया गया था। प्रदर्शनी को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर सहकर्मियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों के स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा देखा व सराहा गया। अनेक आगंतुक प्रदर्शनी के माध्यम से पहली बार बालमुकुंद गुप्त के लेखन सरोकारों और उनके शिल्प सौंदर्य से परिचित हुए। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि बालमुकुंद गुप्त जैसे रचनाकार पर इस प्रकार की प्रदर्शनी विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए लाभदायक है।

इस प्रकार के आयोजन से हम न केवल अपने लेखकों को याद करते हैं, अपितु उनके लेखन से हम निरंतर समृद्ध होते हैं। प्रदर्शनी के बारे में अमित मनोज ने बताया कि बालमुकुन्द गुप्त हिंदी गद्य के निमार्ता रचनाकारों में से एक हैं। प्रायः वे ह्यशिवशम्भु के चिट्ठेह्न के रचनाकार के रूप में अधिक जाने जाते हैं, लेकिन वे उतने ही बेहतर कवि व बाल-कवि भी हैं। उनकी रचनाओं में हमें उनके ह्यकहनहह्न की अनोखी शैली के दर्शन होते हैं। भैंस का स्वर्ग, ह्यपॉलिटिकल होली, रेलगाड़ी, गुड़ियों की पाठशाला, हिंदी की उन्नति, आशीर्वाद, टेसूः स्वागत,

पीछे मत फेंकिए जैसी रचनाओं से हम उनके विविध स्वरों से परिचित होते हैं। गुप्त जी एक निर्भीक और दबंग पत्रकार रहे हैं। पुण्यतिथि के अवसर पर इस प्रकार की प्रदर्शनी का आयोजन उनके साहित्यिक महत्त्व को रेखांकित करता है। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस हेतु अमित मनोज का विशेष तौर से सम्मान किया। इस अवसर पर प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. नन्द किशोर, डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, अमित यादव, हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह एवं अन्य शिक्षणगण, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्य, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता, प्रतिभागी व शोधार्थी-विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 30-09-2023**

साहित्यकार गुप्त की कविताओं व पत्रों का कलात्मक व सुरुचिपूर्ण ढंग से चित्रण किया

पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से बालमुकुंद गुप्त के लेखन सरोकारों व उनके शिल्प सौंदर्य से परिचित हुए आगंतुक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग के तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के रचना-कर्म पर आधारित दस दिवसीय 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का सफलतापूर्वक समापन हो गया। ज्ञातव्य है कि बालमुकुंद गुप्त पर केंद्रित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन बालमुकुन्द गुप्त की पुण्यतिथि पर हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर द्वारा किया गया था। प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी पोस्टर हिंदी विभाग के सहायक प्रो. अमित मनोज द्वारा तैयार किए गए थे। इन पोस्टरों में बालमुकुंद गुप्त के जीवन एवं सृजन के साथ उनकी कविताओं, संपादकीयों, निबंधों, बाल-कविताओं एवं पत्रों आदि का कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण ढंग से चित्रण किया गया था। प्रदर्शनी को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर सहकर्मियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों के स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा देखा व सराहा गया। अनेक आगंतुक प्रदर्शनी के माध्यम से पहली बार बालमुकुंद गुप्त के लेखन सरोकारों और उनके शिल्प सौंदर्य से परिचित हुए। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अमित मनोज का विशेष तौर से सम्मान किया। इस अवसर पर प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. नन्द किशोर, डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता, प्रतिभागी व शोधार्थी-विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद प्रो. सुषमा यादव शिक्षकों के साथ।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 30-09-2023**

रचना पोस्टर प्रदर्शनी विद्यार्थियों के लिए लाभदायक : प्रो. सुषमा

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग के तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के रचना-कर्म पर आधारित दस दिवसीय 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का समापन सफलतापूर्वक हो गया। ज्ञातव्य है कि बालमुकुंद गुप्त पर केंद्रित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन बालमुकुन्द गुप्त की पुण्य तिथि पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर द्वारा किया गया था। प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी पोस्टर हिंदी विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर अमित मनोज द्वारा तैयार किए गए थे। इन पोस्टरों में बालमुकुंद गुप्त के जीवन एवं सृजन के साथ उनकी कविताओं, संपादकीयों, निबंधों, बाल-कविताओं एवं पत्रों आदि का कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण ढंग से चित्रण किया गया था।

पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद प्रो. सुषमा यादव शिक्षकों के साथ • सौ. हकेंवि प्रवक्ता

प्रदर्शनी को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर सहकर्मियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों के स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा देखा व सराहा गया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि बालमुकुंद गुप्त जैसे रचनाकार पर इस प्रकार की प्रदर्शनी विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए लाभदायक है।

इस प्रकार के आयोजन से हम न केवल अपने लेखकों को याद करते हैं, अपितु उनके लेखन से हम निरंतर समृद्ध होते हैं. प्रदर्शनी के बारे में अमित मनोज ने बताया कि बालमुकुन्द गुप्त हिंदी गद्य के निर्माता रचनाकारों में से एक हैं। उनकी रचनाओं में हमें उनके 'कहन' की अनोखी शैली के दर्शन होते हैं. 'भैंस का स्वर्ग', 'पॉलिटिकल होली', 'रेलगाड़ी', 'गुड़ियों की पाठशाला', 'हिंदी की उन्नति', 'आशीर्वाद', 'टेसू: स्वागत', 'पीछे मत फेंकिए' जैसी रचनाओं से हम उनके विविध स्वरों से परिचित होते हैं।

'मीट द आथर' कार्यक्रम आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा शुक्रवार को 'मीट द आथर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संदेश के माध्यम से आयोजकों की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने के लिए प्रेरित किया। विवि में मीट द आथर कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान मे प्रकाशित महत्वपूर्ण पुस्तकों के लेखकों से सीधा संबंध स्थापित कर विद्यार्थियों के बीच एक अर्थपूर्ण संवाद का अवसर उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य के अंतर्गत शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम मे भारत के जानेमाने शिक्षाविद व अर्थशास्त्री प्रो. केएस चलम, निदेशक, आर्थिक एवं सामाजिक न्याय संस्थान, हैदराबाद एवं भूतपूर्व कुलपति, द्रविडियन विश्वविद्यालय एवं भूतपूर्व सदस्य संघ लोक सेवा आयोग, ने अपनी पुस्तक 'पोलिटिकल इंकानमी आफ कास्ट इन इंडिया' पर व्याख्यान दिया एवं परिचर्चा में भी भागीदारी की। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सवाल जवाब सत्र में अपनी विभिन्न भी जिज्ञासाओं को विशेषज्ञ के समक्ष रखने का अवसर भी मिला। कार्यक्रम में प्रो. अंतरेश, डा. स्नेहसता, डा. राजीव कुमार सिंह, डा. तन्वी, डा. आरती यादव, डा. रेण यादव, डा. रेणु, डा. युधबीर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षकों सहित विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Ranghosh **Date: 30-09-2023**

हकेवि में दस दिवसीय 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का समापन

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग के तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के रचना-कर्म पर आधारित दस दिवसीय 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का समापन दिनांक 27 सितंबर को सफलतापूर्वक हो गया। ज्ञातव्य है कि बालमुकुंद गुप्त पर केंद्रित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन बालमुकुन्द गुप्त की पुण्य तिथि (18 सितंबर) पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर द्वारा किया गया था। प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी पोस्टर हिंदी विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर अमित मनोज द्वारा तैयार किए गए थे। इन पोस्टरों में बालमुकुंद गुप्त के जीवन एवं सृजन के साथ उनकी कविताओं, संपादकीयों, निबंधों, बाल-कविताओं एवं पत्रों आदि का कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण ढंग से चित्रण किया गया था। प्रदर्शनी को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर सहकर्मियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँवों के स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा देखा व सराहा गया। अनेक आगंतुक प्रदर्शनी के माध्यम से पहली बार बालमुकुंद गुप्त के लेखन सरोकारों और उनके शिल्प सौंदर्य से परिचित हुए। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि बालमुकुंद गुप्त जैसे रचनाकार पर इस प्रकार की प्रदर्शनी विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए लाभदायक है। इस प्रकार के आयोजन से हम न केवल अपने लेखकों को याद करते हैं, अपितु उनके लेखन से हम निरंतर समृद्ध होते हैं. प्रदर्शनी के बारे में अमित मनोज ने बताया कि बालमुकुन्द गुप्त हिंदी गद्य के निर्माता रचनाकारों में से एक हैं। प्रायः वे 'शिवशम्भु के चिट्ठे' के रचनाकार के रूप में अधिक जाने जाते हैं, लेकिन वे उतने ही बेहतर कवि व बाल-कवि भी हैं। उनकी रचनाओं में हमें उनके 'कहन' की अनोखी शैली के दर्शन होते हैं. 'भैंस का स्वर्ग', 'पॉलिटिकल होली', 'रेलगाड़ी', 'गुड़ियों की पाठशाला', 'हिंदी की उन्नति', 'आशीर्वाद', 'टेसूः स्वागत', 'पीछे मत फेंकिए' जैसी रचनाओं से हम उनके विविध स्वरों से परिचित होते हैं। गुप्त जी एक निर्भीक और दबंग पत्रकार रहे हैं। पुण्यतिथि के अवसर पर इस प्रकार की प्रदर्शनी का आयोजन उनके साहित्यिक महत्त्व को रेखांकित करता है। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस हेतु अमित मनोज का विशेष तौर से सम्मान किया। इस अवसर पर प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. नन्द किशोर, डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, अमित यादव, हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह एवं अन्य शिक्षणगण, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्य, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता, प्रतिभागी व शोधार्थी-विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 30-09-2023**

बालमुकुंद गुप्त के रचना-कर्म पर आधारित 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए लाभदायक

पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद प्रो. सुषमा यादव शिक्षकों के साथ।

महेंद्रगढ़, 29 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग के तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के रचना-कर्म पर आधारित 10 दिवसीय 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का समापन 27 सितम्बर को सफलतापूर्वक हो गया।

ज्ञातव्य है कि बालमुकुंद गुप्त पर केंद्रित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन बालमुकुन्द गुप्त की पुण्यतिथि 18 सितम्बर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर द्वारा किया गया था।

प्रदर्शनी में प्रदर्शित पोस्टर हिंदी विभाग के सहायक प्रो. अमित मनोज ने तैयार किए थे। इनमें बालमुकुंद गुप्त के जीवन एवं सृजन के साथ उनकी कविताओं, संपादकीयों, निबंधों, बाल-कविताओं एवं पत्रों आदि का कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण ढंग से चित्रण किया गया था।

प्रदर्शनी को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर सहकर्मियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों के स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा देखा व सराहा गया।

अनेक आगंतुक प्रदर्शनी के माध्यम से पहली बार बालमुकुंद गुप्त के लेखन सरोकारों और उनके शिल्प सौंदर्य से परिचित हुए। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया।

निर्भीक और दबंग पत्रकार रहे हैं गुप्त जी

प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि बालमुकुंद गुप्त जैसे रचनाकार पर इस प्रकार की प्रदर्शनी विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए लाभदायक है।

इस प्रकार के आयोजन से हम न केवल अपने लेखकों को याद करते हैं, अपितु उनके लेखन से हम निरंतर समृद्ध होते हैं। प्रदर्शनी के बारे में अमित मनोज ने बताया कि बालमुकुन्द गुप्त हिंदी गद्य के निर्माता रचनाकारों में से एक हैं। गुप्त जी एक निर्भीक और दबंग पत्रकार रहे हैं।

हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस हेतु अमित मनोज का विशेष तौर से सम्मान किया।

हकेंवि में 'मीट द ऑथर' कार्यक्रम का आयोजन

महेंद्रगढ़ (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा शुक्रवार को 'मीट द ऑथर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संदेश के माध्यम से आयोजकों की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम में भारत के जाने-माने शिक्षाविद व अर्थशास्त्री प्रो. के.एस. चलम, निदेशक, आर्थिक एवं सामाजिक न्याय संस्थान, हैदराबाद एवं भूतपूर्व कुलपति, द्रविडियन विश्वविद्यालय एवं भूतपूर्व सदस्य संघ लोक सेवा आयोग, ने अपनी पुस्तक 'पोलिटिकल इकॉनमी ऑफ कास्ट इन इंडिया' पर व्याख्यान दिया एवं परिचर्चा में भी भागीदारी की।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सवाल-जवाब सत्र में अपनी विभिन्न जिज्ञासाओं को विशेषज्ञ के समक्ष रखने का अवसर भी मिला।

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. के.एस. चलम।